किसानों की समस्याओं को ध्यान में रख मल्टी क्रॉप सीडर को विकसित किया गया : कुलपति

पौष्टिक बाल शक्ति को दिया गया पेटेंट

कृषि विवि

पूसा, निज संवाददाता। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि पूसा को उन्नत तकनीक से लैस ट्रैक्टर चालित मल्टी क्रॉप सीडर और विशेष उर्जा युक्त पौष्टिक खाद्य पदार्थ बाल शक्ति के लिये पेटेंट प्रदान किया गया है।

कुलपति डॉ. पीएस पांडेय ने बताया कि स्थानीय किसानों की समस्याओं को ध्यान में रख मल्टी क्रॉप सीडर को विकसित किया गया है। जो वर्तमान में उपलब्ध मशीनों से अधिक गुणवत्तायुक्त है। उपलब्ध मशीनों में बीज बुआई की गहराई और बीज दर को नियंत्रित करने में मुश्किल होती है।

इसके कारण बिहार के किसान इसका उपयोग नहीं कर पाते हैं। कुलपति डॉ. पांडेय ने मल्टी क्रॉप सीडर और बाल शक्ति के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले वैज्ञानिकों डॉ. सुभाष चंद्रा और डीन डॉ. उषा सिंह को सम्मानित किया। अभियंत्रण महाविद्यालय के डीन डॉ. अम्बरीश कुमार ने कहा कि कुलपति का स्पष्ट निर्देश है कि वैज्ञानिक किसानों के खेत पर जाकर उनकी समस्याओं को समझे और उसी अनुरूप अनुसंधान करें। ताकि किसानों की समस्याओं का समाधान हो सके।

पौष्टिक बाल शक्ति विकसित करने वाली वैज्ञानिक को सम्मानित करते कुलपति।

डीन व कृषि यंत्र वैज्ञानिक को सम्मानित करते कुलपति।

किसानों को मल्टी क्रॉप सीडर पर मिलेगा 40 प्रतिशत का अनुदान

पूसा। मल्टी क्रॉप सीडर एक ट्रैक्टर चालित मशीन है जो परिचालन के दौरान स्वतः जमीन के उबड़ खाबड़ सतह के अनुसार फार को उपर नीचे संचालित कर सकता है। इसके कारण बीज की बुआई जमीन मे एक समान गहराई पर होती है। इस मशीन में सीड बाक्स से गिरने वाले बीज की मात्रा को नियंत्रित करने को लिये साधन दिये गये है। इस मशीन के व्यवसायिक उत्पादन से लिये विवि ने एक कंपनी के साथ समझौता भी किया है। मल्टी क्रॉप सीडर की उपयोगिता को देखते हुये बिहार सरकार की ओर से इस मशीन के बिक्री मूल्य पर 40 प्रतिशत सब्सिडी देने की भी घोषणा की है।

बाल शक्ति छह माह तक ताजा, 100 ग्राम के पैक में होती है 5 सौ किलो कैलोरी ऊर्जा

पूसा। कुपोषण की समस्या को दूर करने के लिये विकसित खाद्य बाल शक्ति छह महीने तक ताजा रह सकता है। इसके सौ ग्राम को पैक में 500 किलो कैलोरी उर्जा, कई तरह की विटामिन, प्रोटीन, एमिनोएसिड्स व अन्य जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं। इस संदर्भ में कुलपति डॉ. पांडेय ने सम्मान समारोह के दौरान वैज्ञानिको से किसान केंद्रित अनुसंधान करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने के लिये वैज्ञानिको को कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। आपको बता दें कि पिछले कुछ महीनो मे विवि को छह से अधिक पेटेंट प्रदान किये गये हैं।

Hindustan 07-09-2023